Quest Journals
Journal of Research in Humanities and Social Science
Volume 12 ~ Issue 7 (2024) pp: 338-342
ISSN(Online):2321-9467
www.questjournals.org

Research Paper

आधुनिक तकनीक और महिला उद्यमिता: भारतीय महिलाओं के लिए डिजिटल युग की चुनौतियाँ

मृदुलता सोनकर

असिस्टेंट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर

***सारांश* (Abstract)**

आधुनिक तकनीक और महिला उद्यमिता का संबंध भारतीय समाज में महत्वपूर्ण होता जा रहा है, विशेष रूप से लखनऊ जिले के संदर्भ में। इस अध्ययन का उद्देश्य यह है कि कैसे डिजिटल युग में महिलाएँ उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और किन चुनौतियों का सामना कर रही हैं। लखनऊ में, महिलाओं ने तकनीकी प्लेटफार्मों का उपयोग करके विभिन्न व्यवसायों में सफलता हासिल की है, लेकिन इसके साथ ही उन्हें सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं का सामना भी करना पड़ता है। यह शोध महिलाओं की उद्यमिता में तकनीकी नवाचारों के प्रभाव, उनकी आवश्यकताओं और विकास की संभावनाओं का विश्लेषण करता है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि जबकि डिजिटल युग ने महिलाओं को सशक्त बनाने के नए अवसर प्रदान किए हैं, फिर भी उन्हें सही जानकारी, प्रशिक्षण, और समर्थन की आवश्यकता है ताकि वे इन अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकें।

परिचय (Introduction)

आधुनिक तकनीक का विकास और उसके साथ-साथ वैश्वीकरण ने महिलाओं के लिए उद्यमिता के क्षेत्र में नए द्वार खोले हैं। भारत में, जहाँ महिलाओं की भूमिका पारंपरिक रूप से सीमित रही है, डिजिटल युग ने उन्हें न केवल अपनी पहचान बनाने का अवसर दिया है, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने का भी माध्यम प्रदान किया है। लखनऊ, जो एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर से भरपूर शहर है, यहाँ की महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। लखनऊ की महिलाएँ अब मोबाइल एप्लिकेशनों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, और सोशल मीडिया का उपयोग करके अपने व्यवसाय स्थापित कर रही हैं। इससे उन्हें न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी प्रवेश करने का अवसर मिला है। तकनीकी नवाचार ने उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रस्तुत करने का नया तरीका प्रदान किया है, जिससे वे अपने व्यवसाय को बढ़ा सकें और व्यापक ग्राहक आधार तक पहुँच सकें। हालांकि, इस प्रक्रिया में कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। तकनीकी ज्ञान की कमी, डिजिटल विभाजन, वित्तीय संसाधनों की अनुपलब्धता, और पारिवारिक तथा सामाजिक समर्थन की कमी जैसे कारक कई महिलाओं के लिए बाधाएँ बनते हैं। इसके अतिरिक्त, लखनऊ जैसे शहरों में महिलाओं को सामाजिक और सांस्कृतिक मानदंडों का सामना भी करना पड़ता है, जो अक्सर उनके उद्यमिता के सपनों को बाधित करते हैं।

इस संदर्भ में, यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करेगा कि लखनऊ की महिलाएँ आधुनिक तकनीक का कैसे उपयोग कर रही हैं और उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अध्ययन में यह भी देखा जाएगा कि कैसे सही प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, और संसाधनों के माध्यम से इन बाधाओं को पार किया जा सकता है। अंततः, यह शोध न केवल लखनऊ की महिलाओं के उद्यमिता के अनुभवों को उजागर करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि किस प्रकार महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित किए जा सकते हैं। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक और महिला उद्यमिता के इस संगम से लखनऊ की महिलाएँ न केवल अपने भविष्य को संवार सकती हैं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था में भी एक महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं।

अनुसंधान विधि (Research Methodology)

इस अध्ययन में लखनऊ जिले की महिलाओं के उद्यमिता और आधुनिक तकनीक के उपयोग को समझने के लिए विभिन्न विधियों का उपयोग किया जाएगा। अनुसंधान विधि निम्नलिखित चरणों में विभाजित की गई है:

1. अध्ययन का उद्देश्य: इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि लखनऊ जिले की महिलाएँ कैसे आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही हैं, उनके सामने आने वाली चुनौतियाँ क्या हैं, और उन्हें उद्यमिता में सफल होने के लिए किस प्रकार का समर्थन आवश्यक है।

2. अनुसंधान डिज़ाइन: यह अध्ययन एक मिश्रित विधि अनुसंधान डिज़ाइन पर आधारित होगा, जिसमें गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के डेटा का संग्रह किया जाएगा।

3. डेटा संग्रहण के तरीके: एक संरचित प्रश्नावली विकसित की जाएगी, जिसमें विभिन्न प्रश्न शामिल होंगे जो महिलाओं के अनुभवों, तकनीक के उपयोग, और उनकी चुनौतियों को समझने में मदद करेंगे। प्रश्नावली का वितरण विभिन्न समूहों में किया जाएगा। कुछ चयनित महिलाओं के साथ गहन साक्षात्कार किए जाएंगे ताकि उनके व्यक्तिगत अनुभवों और विचारों को समझा जा सके।

4. नमूना चयन: अध्ययन में लखनऊ जिले की महिलाओं का नमूना चुना जाएगा। नमूना आकार लगभग 100 महिलाओं का होगा, जिसमें विभिन्न आयु, शिक्षा स्तर और व्यवसाय शामिल होंगे। नमूना चयन संपर्क सूची विधि द्वारा किया जाएगा, जिससे विभिन्न पृष्ठभूमियों से महिलाओं को शामिल किया जा सके।

5. डेटा विश्लेषण: मात्रात्मक डेटा: संख्यात्मक डेटा को सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर (जैसे SPSS या Excel) का उपयोग करके विश्लेषित किया जाएगा। इसका उपयोग विभिन्न पहलुओं जैसे आयु, शिक्षा, व्यवसाय प्रकार, और चुनौतियों के प्रतिशत को ज्ञात करने के लिए किया जाएगा। गहन साक्षात्कार से प्राप्त डेटा का विश्लेषण थीमेटिक एनालिसिस के माध्यम से किया जाएगा, जिससे प्रमुख विषयों और पैटर्नों की पहचान की जा सके।

6. नैतिक विचार: इस अध्ययन में प्रतिभागियों की गोपनीयता का सम्मान किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों से स्वीकृति प्राप्त की जाएगी, और उनकी पहचान को सुरक्षित रखा जाएगा।

तालिका : लखनऊ जिले की महिलाओं के उद्यमिता और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर किए गए प्रश्नावली आधारित विश्लेषण

प्रश्न	**उत्तर**	**प्रतिशत (%)**
1. आयु वर्ग	18-25 वर्ष	30%
	26-35 वर्ष	40%
	36-45 वर्ष	20%
	46 वर्ष और उससे अधिक	10%
2. शिक्षा स्तर	प्राथमिक	0%
	माध्यमिक	0%
	उच्चतर माध्यमिक	20%
	स्नातक	50%
	स्नातकोत्तर	30%
3. व्यवसाय का प्रकार	ऑनलाइन व्यापार	45%
	फिजिकल स्टोर	10%
	सेवा उद्योग	30%
	कृषि आधारित	15%

प्रश्न	**उत्तर**	**प्रतिशत (%)**
4. तकनीक का उपयोग	बहुत अधिक	25%
	कुछ हद तक	68%
	कम	7%
5. डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग	सोशल मीडिया	92%
	ई-कॉमर्स वेबसाइट्स	75%
	मोबाइल ऐप्स	50%
6. चुनौतियाँ	तकनीकी ज्ञान की कमी	40%
	वित्तीय संसाधनों की अनुपलब्धता	30%
	सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएँ	20%
	मार्केटिंग की समस्या	10%
7. प्रशिक्षण का अनुभव	हाँ	40%
	नहीं	60%
8. समर्थन की आवश्यकता	वित्तीय सहायता	45%
	तकनीकी प्रशिक्षण	35%
	व्यवसायिक मार्गदर्शन	20%
9. सरकारी सिफारिशें	अनुदान और सब्सिडी	50%
	प्रशिक्षण कार्यक्रम	30%
	जागरूकता अभियान	20%

विश्लेषण Analysis)

यह विश्लेषण लखनऊ जिले की महिलाओं के उद्यमिता के अनुभवों और आधुनिक तकनीक के उपयोग के संदर्भ में एकत्रित प्रश्नावली पर आधारित है। इस अध्ययन में कुल 100 महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें से 40% महिलाएँ 26-35 वर्ष की आयु समूह में थीं, 30% महिलाएँ 18-25 वर्ष की थीं, और 30% महिलाएँ 36 वर्ष और उससे अधिक थीं। शैक्षिक स्तर की बात करें, तो 50% महिलाएँ स्नातक, 30% स्नातकोत्तर, और 20% उच्चतर माध्यमिक तक शिक्षित थीं। व्यवसाय के प्रकार के संदर्भ में, 45% महिलाओं ने ऑनलाइन व्यवसाय में संलग्न होने की जानकारी दी, जबकि 30% महिलाएँ सेवा उद्योग में कार्यरत थीं। इसके अलावा, 15% ने कृषि आधारित व्यवसाय और 10% ने फिजिकल स्टोर का चयन किया।

तकनीक के उपयोग के संबंध में, 68% महिलाओं ने बताया कि वे तकनीक का उपयोग "कुछ हद तक" करती हैं, जबकि 25% ने "बहुत अधिक" उपयोग करने का उत्तर दिया। केवल 7% महिलाओं ने तकनीक का उपयोग "कम" या "बिल्कुल नहीं" करने की बात कही। डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करने की बात करें, तो 92% महिलाओं ने सोशल मीडिया (जैसे Facebook और Instagram) का उपयोग किया, और 75% ने ई-कॉमर्स वेबसाइट्स (जैसे Amazon और Flipkart) का उपयोग करने की बात की। मोबाइल ऐप्स का उपयोग करने वाली महिलाओं की संख्या 50% थी।

महिलाओं ने अपनी व्यवसाय में सबसे बड़ी चुनौतियों के रूप में तकनीकी ज्ञान की कमी (40%), वित्तीय संसाधनों की अनुपलब्धता (30%), सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएँ (20%), और मार्केटिंग की समस्या (10%) को चिह्नित किया। प्रशिक्षण के अनुभव के संदर्भ में, 60% महिलाओं ने बताया कि उन्हें व्यवसाय में आगे बढ़ने के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं मिला, जबकि केवल 40% महिलाओं ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर पाया।

समर्थन की आवश्यकता के मामले में, महिलाओं ने वित्तीय सहायता (45%), तकनीकी प्रशिक्षण (35%), और व्यवसायिक मार्गदर्शन (20%) की मांग की। सरकारी सिफारिशों के संदर्भ में, महिलाओं का मानना था कि महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार को अनुदान और सब्सिडी (50%), प्रशिक्षण कार्यक्रम (30%), और जागरूकता अभियान (20%) जैसे कदम उठाने चाहिए।

इस विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि लखनऊ जिले की महिलाएँ आधुनिक तकनीक का उपयोग करके उद्यमिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। हालांकि, तकनीकी ज्ञान की कमी और वित्तीय संसाधनों की अनुपलब्धता प्रमुख चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सरकार और विभिन्न संस्थानों को महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए उपाय करने की आवश्यकता है, ताकि वे अपनी उद्यमिता में सफल हो सकें। सही समर्थन और संसाधनों के माध्यम से लखनऊ की महिलाएँ न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ा सकती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन भी ला सकती हैं।

निष्कर्ष (Conclusion)

इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक तकनीक भारतीय महिलाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण साधन है, विशेषकर लखनऊ जिले में। हालांकि, डिजिटल युग में उद्यमिता के साथ अनेक चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं, जैसे कि तकनीकी ज्ञान की कमी, वित्तीय संसाधनों की अभाव, और पारंपरिक सामाजिक संरचनाएँ। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक है कि उन्हें सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, समाज में महिला उद्यमिता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने की भी आवश्यकता है। इस प्रकार, अगर सही उपाय किए जाएं, तो लखनऊ की महिलाएँ न केवल डिजिटल युग में अपनी पहचान बना सकेंगी, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान भी दे सकेंगी।

शोध संदर्भ :

1. सिंह, प्रीति. (2020). "महिला उद्यमिता में आधुनिक तकनीक का योगदान." भारतीय महिला अध्ययन जर्नल, 12(1), 45-59.
2. कुमार, रमेश. (2019). "डिजिटल युग में महिला उद्यमिता: अवसर और चुनौतियाँ." व्यवसायिक अध्ययन पत्रिका, 8(2), 23-35.
3. गुप्ता, राधिका. (2021). "लखनऊ में महिला उद्यमिता: तकनीकी विकास की भूमिका." शोध पत्रिका, 15(3), 75-89.
4. मिश्रा, अनामिका. (2022). "महिलाओं की उद्यमिता में तकनीकी बाधाएँ." भारतीय समाजशास्त्र जर्नल, 10(4), 67-82.
5. तिवारी, सुमन. (2018). "भारत में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उपाय." महिला अध्ययन समीक्षा, 7(1), 90-104.
6. सिंह, देवेंद्र. (2021). "महिलाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग के लाभ." उद्यमिता विकास पत्रिका, 9(2), 30-44.
7. शर्मा, कुसुम. (2020). "महिला उद्यमिता और सामाजिक बाधाएँ." सामाजिक विज्ञान शोध, 5(2), 55-68.
8. कुमारी, नेहा. (2019). "महिला उद्यमिता के लिए वित्तीय सहायता के स्रोत." भारतीय आर्थिक जर्नल, 11(3), 40-54.
9. पाठक, रजनी. (2022). "आधुनिक तकनीक और महिला उद्यमिता: एक विश्लेषण." जर्नल ऑफ इंडियन वूमेन स्टडीज़, 14(1), 22-37.
10. झा, साक्षी. (2018). "महिलाओं की उद्यमिता में प्रौद्योगिकी का प्रभाव." अर्थशास्त्र और समाज, 16(2), 80-93.
11. नायर, प्रिया. (2020). "महिला उद्यमियों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता." शिक्षा और महिला विकास जर्नल, 3(1), 45-58.
12. बंसल, नीतू. (2021). "भारत में महिला उद्यमिता: समस्याएँ और समाधान." अर्थशास्त्र एवं नीति अध्ययन, 17(4), 61-75.
13. सेठ, स्नेहा. (2019). "महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में राज्य की भूमिका." भारतीय प्रशासनिक अध्ययन, 12(3), 72-88.
14. कौर, हरप्रीत. (2022). "डिजिटल युग में भारतीय महिलाओं की चुनौतियाँ." भारतीय मीडिया अध्ययन, 4(1), 25-39.
15. सवाल, अंजलि. (2021). "महिला उद्यमिता में आत्मविश्वास का महत्व." मानव संसाधन विकास जर्नल, 9(2), 33-47.
16. पांडेय, रजत. (2020). "महिला उद्यमिता और वित्तीय स्वतंत्रता." आर्थिक विकास और नीति, 15(3), 49-65.

17. मल्लिक, राधिका. (2019). "महिलाओं के लिए डिजिटल टूल्स और उनके उपयोग." उद्यमिता विकास पत्रिका, 6(1), 21-36.
18. चौधरी, सुजाता. (2022). "महिला उद्यमिता और नवीनतम तकनीकी रुझान." भारतीय टेक्नोलॉजी जर्नल, 8(2), 15-29.
19. अरोड़ा, प्रगति. (2021). "महिलाओं की उद्यमिता में डिजिटल प्लेटफॉर्म का योगदान." समाज और विकास, 10(1), 40-55.
20. कुलकर्णी, स्नेहा. (2020). "महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता." शिक्षा और समाज, 14(3), 12-25.